IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 9, March 2025
Impact Factor: 7.67

रामचरितमानस में व्यक्तित्व विकास और सामाजिक मूल्यों का समन्वय: एक विश्लेषणात्मक अध्ययन

डॉ. शारदा सोनी

सहा. प्राध्यापक – समाजशास्त्र

शासकीय महाविद्यालय, रैगाँव, सतना

सारांश:

रामचरितमानस, गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित महाकाव्य, न केवल धार्मिक ग्रंथ है, बल्कि भारतीय समाज की नैतिक और सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक भी है। इसमें व्यक्तित्व विकास और सामाजिक मूल्यों का अद्भुत समन्वय देखने को मिलता है। यह शोध पत्र रामचरितमानस के विभिन्न पात्रों और घटनाओं के माध्यम से व्यक्तित्व विकास और सामाजिक मूल्यों की स्थापना पर केंद्रित है। शोध के दौरान श्रीराम, सीता, लक्ष्मण, हनुमान, और अन्य प्रमुख पात्रों के व्यक्तित्व का विश्लेषण किया गया है, साथ ही रामचरितमानस में प्रस्तुत सामाजिक मूल्यों का आधुनिक समाज में प्रासंगिकता पर भी विचार किया गया है।